हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 314 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 13 जून, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 16

यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की सीमा खत्म
पंजीकरण की संख्या अब सीमित नहीं

3

सभी विभाग वित्त विभाग को जल्द भेजें DPR : सीएस

सीएस राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण, सिंचाई, पशुपालन, स्कूली शिक्षा, कौशल तथा तकनीकी शिक्षा विभाग को 24 घण्टे की डेडलाइन देते हुए अवशेष प्रोजेक्ट तत्काल नाबार्ड को भेजने के निर्देश दिए

- मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी विभागों को स्पष्ट किया है कि प्रतिपूर्ति लेने में असफल होने वाले विभागों को इस सम्बन्ध में भविष्य में कार्यशैली में सुधार करना होगा
- वित्त विभाग सहित सभी विभागों को प्रतिपूर्ति हेतु बिल नाबार्ड में जमा कराने हेतु प्रत्येक चार माह का टारगेट दिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जून : सीएस राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण, सिंचाई, पशुपालन, स्कूली शिक्षा, कौशल तथा तकनीकी शिक्षा विभाग को 24 घण्टे की डेडलाइन देते हुए अवशेष 383.11 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट तत्काल नाबार्ड को भेजने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रतूड़ी ने 31 जुलाई की समयसीमा निर्धारित करते हुए सभी विभागों को वित्त विभाग को डीपीआर भेजने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने विभागों को भविष्य में नाबार्ड की समयसीमा के अनुसार ही अपने प्रोजेक्ट के बजट बनाकर समयबद्धता से भेजने की सख्त हिदायत दी है। सीएस राधा रतूड़ी ने विभागों को अपने प्रोजेक्ट के प्रस्ताव, आहरण, प्रोजेक्ट कम्पलीशन सर्टिफिकेट (पीसीसी), प्रोजेक्ट कम्पलीशन रिपोर्ट (पीसीआर) को ऑनलाइन जमा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने विभागों को प्रोजेक्ट पूरे होने पर एक सप्ताह के भीतर प्रोजेक्ट कम्पलीशन सर्टिफिकेट तथा छः माह के भीतर प्रोजेक्ट कम्पलीशन रिपोर्ट (पीसीआर) जमा करवाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही राधा रतूड़ी ने विभागों को शहरी अवसंरचना विकास निधि (यूआईडीएफ) के तहत पार्किंग, मलिन बस्तियों के पुनर्विकास एवं शहरी वनीकरण के प्रोजेक्ट को शीर्ष प्राथमिकता पर नाबार्ड को भेजने के निर्देश दिए हैं।

सीएस रतूड़ी ने विभागों को सख्त हिदायत दी है कि नाबार्ड को सिर्फ उच्च गुणवत्ता वाले तथा योग्य प्रोजेक्ट ही प्रस्तावित किए जाने चाहिए। प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता भी विभागों द्वारा ही तय की जानी चाहिए तथा विभागों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फण्डिंग की डुप्लीकेसी ना हो। उन्होंने अपेक्षाकृत छोटे प्रोजेक्ट को नाबार्ड में प्रस्तावित ना करने का सुझाव दिया है। मुख्य सचिव ने विभागों को दिए गए लक्ष्य के 50 प्रतिशत प्रोजेक्ट 30 जून, 60 प्रतिशत प्रोजेक्ट 31 जुलाई तथा 100 प्रतिशत प्रोजेक्ट 15 अगस्त तक वित्त विभाग को भेजने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वित्त विभाग को भी प्रतिपूर्ति (reimbursement)हेतु बिल नाबार्ड में जमा कराने हेतु प्रत्येक चार माह का टारगेट दिया है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी विभागों को कड़ाई से स्पष्ट किया है कि प्रतिपूर्ति (reimbursement) लेने में असफल होने वाले विभागों को इस सम्बन्ध में भविष्य में कार्यशैली में सुधार करना होगा। मुख्य सचिव ने सिंचाई विभाग को जल स्रोतों एवं नदियों के पुनर्जीवीकरण के प्रोजेक्ट नाबार्ड हेतु प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

बुधवार को सचिवालय में नाबार्ड की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि राज्य के ग्रामीण विकास में नाबार्ड द्वारा प्राप्त होने वाली वित्तीय सहायता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में जानकारी दी गई कि वित्त विभाग द्वारा कुल 360.47 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट प्राप्त किए गए हैं जिनमें सिंचाई विभाग से 77.40 करोड़ के 10 प्रोजेक्ट, लोक निर्माण विभाग से 193.11 करोड़ के 89 प्रोजेक्ट, तकनीकी शिक्षा से 66.96 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट, पशुपालन से 9.52 करोड़ का 1 प्रोजेक्ट, ग्रामीण निर्माण विभाग से 13.4811 करोड़ के 5 प्रोजेक्ट हैं। वर्ष 2023-24 में राज्य को नाबार्ड द्वारा कुल अनुमोदित 904.4 करोड़ के सापेक्ष भुगतान 954.9 करोड़ रहा है। वर्ष 2024-25 के लिए आरआईडीएफ के तहत 1200 करोड़ का अनुमोदित लक्ष्य तथा 969 करोड़ रूपये का प्रतिपूर्ति (reimbursement) लक्ष्य रखा गया है।

राज्य में नाबार्ड के तहत ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) से 2.05 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिचाई सुविधाओं का सृजन एवं पुनर्द्धार किया गया है। लगभग 14,766 किमी ग्रामीण सड़कों के नेटवर्क का निर्माण एवं सुधार किया गया है। 27307 मीटर ब्रिज का निर्माण हो चुका है। 23.77 लाख ग्रामीण आबादी को पेयजल सुविधा मिल चुकी है। 241 स्कूल एवं आईटीआई का निर्माण एवं पुनर्द्धार हो चुका है। बैठक में अपर मुख्य सचिवआनंद वर्धन, सचिव दिलीप जावलकर, सीजीएम नाबार्ड सहित वित्त, लोक निर्माण, सिंचाई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड : मैदानों में पारा 42° के पार लेकिन 5 पहाड़ी जिलों में बरसेंगे मेघ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 13 जून : मौसम विभाग के अनुसार तापमान में हो रही वृद्धि के कारण मैदानी क्षेत्रों में गर्म हवाएं चलेंगी और मानसून से पहले राहत की उम्मीद कम है। वहीं पर्वतीय जिलों के कुछ हिस्सों में तेज गर्जना और बिजली चमकने की संभावना है। पांच पर्वतीय जिलों में बारिश की आशंका जताई जा रही है।

पिछले लगभग एक सप्ताह से उत्तराखंड के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना हुआ है। तेज धूप के कारण झुलसाने वाली गर्मी और लू की थपेड़े लोगों को परेशान कर रहे हैं। देहरादून सहित अधिकतर मैदानी इलाकों में आसमान से आग बरस रही है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। दून में पिछले चार दिनों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक है और लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा ऋषिकेश, कोटद्वार, रुड़की, पंतनगर, रुद्रपुर आदि स्थानों पर भी तापमान उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार प्रदेश में मौसम फिलहाल शुष्क बना रहेगा। मैदानी क्षेत्रों में गर्म झोंकदार हवाएं चलेंगी। वहीं पर्वतीय जिलों के कुछ स्थानों में तेज गर्जन के साथ बिजली चमक सकती है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। कुछ क्षेत्रों में बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मैदानी क्षेत्रों में लू चलने को लेकर चेतावनी जारी की गई है। देहरादून का अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पिढ़ौरागढ : सड़क दुर्घटना में परिवार के 12 साल के बच्चे सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 13 जून : दूरस्थ क्षेत्र धारचूला में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया जिसमें एक ही परिवार के 12 साल के बच्चे समेत दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और एक अन्य 8 वर्षीय बच्चा घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना 11 जून लगभग 11 बजे के आसपास की है, बताया जा रहा है कि कार में सवार होकर सभी धारचूला से तवाघाट जा रहे थे, अचानक बीच रास्ते में रोगति पुल से आगे जीरो पॉइंट के बाद चालक का वाहन से नियंत्रण खो गया और कार सीधे खाई में जा गिरी। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने तत्काल सभी को कार से बाहर निकाला और पास के अस्पताल में भर्ती किया।

हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने 32 वर्षीय सुमित कुंवर निवासी खेला और 12 वर्षीय आदित्य को मृत घोषित कर दिया जबकि 8 साल का स्पर्श गंभीर रूप से घायल है उसे प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है तथा मामले की जांच चल रही है। दुर्घटना के कारणों का पता अभी तक नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि जांच के बाद ही इस दुर्घटना के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकता है।

प्लेन के अंदर होता है सीक्रेट कमरा, आखिर ये कहाँ और क्यों होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : जब भी आप प्लेन में यात्रा करते होंगे, तो आपने हमेशा देखा होगा कि एयर होस्टेस पूरे वक्त या तो खड़ी रहती हैं, या फिर वॉशरूम के पास एक पतली सी सीट पर बैठे दिख जाती हैं. इसी प्रकार पायलट भी कॉकपिट के अंदर ही बैठते हैं. तो क्या आपने कभी सोचा है कि फ्लाइट के ये कर्मी आखिर आराम कैसे करते होंगे, खासकर तब, जब फ्लाइट लंबी दूरी की हो? इसके लिए वो प्लेन के अंदर मौजूद खुफिया कमरों का इस्तेमाल करते हैं. क्या आप जानते हैं कि ये कमरा कहां होता है और नजर में क्यों नहीं आता मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जो लंबी दूरी के प्लेन होते हैं, उनमें सीक्रेट रूम होते हैं.

इन रूमों में कर्मचारी जाकर आराम कर सकते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि इन कमरों को आम यात्री नहीं देख सकते हैं. उन्हें यहां जाने की इजाजत नहीं होती है. रिपोर्ट में बताया गया है कि इन कमरों में पायलट और एयर होस्टेसेज के आराम करने की पर्याप्त सुविधा होती है. जिसमें गद्दे होते हैं, चादर होती हैं, लाइट होती है और अंदर एसी भी लगा रहता है.

नए विमानों में ये बेडरूम मुख्य केबिन के ऊपर होता है वहीं पुराने प्लेनों में ये कॉकपिट के पास होता है. यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट अटेंडेंट सुजैन कार ने सीएनएन से बात करते हुए कहा कि वो बोइंग 787, 777 और 767 विमान में आए दिन यात्रा करती हैं. एयर होस्टेस ने कहा कि कई बार यात्रियों को लगता है कि उन कमरों के दरवाजे असल में वॉशरूम के दरवाजे हैं, इसलिए वो अंदर जाने की कोशिश करते हैं पर फिर उन्हें वो सही रास्ता दिखा देती हैं।

यर होस्टेस ने कहा कि ये कमरे काफी आरामदायक होते हैं, लेकिन अगर किसी का कद 6 फीट से ज्यादा होता है, तो उनके लिए इसमें फिट होना काफी मुश्किल होता है. हालांकि, कुछ एयरक्राफ्ट में बिस्तर नहीं होते. उनमें सिर्फ रिक्लाइनर होते हैं, पर्दे लगे होते हैं. फिनएयर की एक फ्लाइट अटेंडेंट ने सीएनएन को बताया कि 6 घंटे से ज्यादा लंबी फ्लाइट में 10 पर्सेंट का वक्त कर्मियों के आराम के लिए होता है, जिसमें वो यात्रियों की समस्याओं का समाधान भी नहीं करती हैं, वो सिर्फ आराम करती हैं. ये करीब डेढ़ घंटे का वक्त होता है. हालांकि, सारी एयर होस्टेस एक बार में आराम नहीं करतीं.

इश्क की उम्र नहीं होती, न ही दौर होता है. 100 साल के पूर्व सैनिक ने रचाई शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : कहते हैं- 'इश्क की उम्र नहीं होती, न ही दौर होता है, इश्क तो इश्क है, जब होता है बेहिसाब होता है! प्यार की यही खासियत है. इंसान प्रेम में न ही एक दूसरे की जाति, धर्म, समुदाय, रंग देखता है और न ही उसकी उम्र. हाल ही में दूसरे विश्व युद्ध के एक हीरो ने इस बात को साबित कर दिया. 100 साल के इस पूर्व सैनिक ने अपनी प्रेमिका से शादी रचा ली है, जो उम्र में उनसे सिर्फ 4 साल छोटी हैं. उनकी शादी जितनी खास थी, उससे भी ज्यादा खास वो जगह थी, जहां पर उन्होंने शादी की।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हैरल्ड टेरेन्स जब 20 साल के थे, तब पहली बार वो फ्रांस के नॉरमैंडी गए थे. वो यूएस आर्मी में एयरफोर्स कोर्पोरल थे और दूसरे विश्व युद्ध में एलाइड फोर्सेज का हिस्सा थे जिसने 6 जून 1944 को नॉरमैंडी इन्वेजन को अंजाम दिया था, जिसके तहत एलाइड फोर्स ने फ्रांस को नाजियों के कब्जे से छुड़ाया था. इसे 1944 या दूसरे विश्व युद्ध का डी-डे भी बोलते हैं।

अब 80 साल के बाद हैरल्ड फिर से नॉर्मैंडी पहुंचे. इस बार भी वो अकेले नहीं थे, बल्कि अपनी प्रेमिका के साथ थे. उन्होंने यहां पर अपनी 96 साल की प्रेमिका जीन स्वर्लिन से शादी की और प्यार की इबारत लिख दी. शादी से पहले हैरल्ड ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो इस बात से बेहद खुश हैं कि वो उस औरत से शादी करने जा रहे हैं जो दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला है और एक बेहतरीन डांसर है. दोनों ही न्यूयॉर्क सिटी में बड़े हुए, मगर 2021 में दोनों की मुलाकात, जीन स्वर्लिन के पहले पति की बेटी ने करवाई थी. पहली बार दोनों साथ में डिनर पर गए और उन्हें एक दूसरे से प्यार हो गया।

दोनों कैरेंटेन नाम के छोटे से शहर में शादी के बंधन में बंध गए. शादी के बाद दोनों के एलिसी पैलेस, यानी फ्रांस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास पर स्टेट डिनर के लिए राष्ट्रपति ने आमंत्रित किया, जहां अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन भी शामिल हुए. फ्रांस के डी-डे इन्वेजन को कुछ ही दिनों पहले 80 साल पूरे हुए थे. इसे मौके पर हैरल्ड समेत कई अन्य पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया गया था।

गूगल अर्थ की मदद से शख्स ने ढूंढा खुफिया 'परमाणु शहर'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें खुफिया माना जाता है. कहीं सेनाओं के खुफिया बेस होते हैं तो कुछ को लेकर अफवाहें फैली हुई हैं कि वहां एलियंस से जुड़े रिसर्च होते हैं. ऐसी ही एक जगह है एरिया 51, जिसको लेकर तरह-तरह के दावे किए जाते हैं. अमेरिका के नेवाडा में स्थित एरिया 51 वैसे तो एक खुफिया सैन्य अड्डा है, लेकिन कुछ लोग ये भी दावा करते हैं कि यहां वैज्ञानिक एलियंस और यूएफओ पर रिसर्च करते हैं, अब एक शख्स ने इसी एरिया 51 के पास एक खुफिया 'परमाणु शहर' ढूंढने का दावा किया है. शख्स का कहना है कि उसने ये 'परमाणु शहर' गूगल अर्थ की मदद से ढूंढा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शख्स का दावा है कि उसे यहां से परमाणु विस्फोट के सबूत मिले हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है, जिसमें एक विशालकाय गड्ढे की तस्वीर दिखाई गई है और दावा किया गया है कि यह एक 'परमाणु शहर' हो सकता है. इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'मुझे लगता है एरिया 51 के पास मुझे एक परमाणु शहर मिला है।

अब शख्स ने जैसे ही ये पोस्ट शेयर किया, वो तेजी से वायरल होने लगा, जिस पर लोगों ने भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं. एक यूजर ने लिखा है, 'एरिया 51 को देखते समय मैं अपने मैप ऐप पर अचानक इस जगह पर पहुंच गया. जाहिर तौर पर इसे युक्का फ्लैट कहा जाता है और यह 739 परीक्षणों का स्थल था', तो एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'मैं अक्सर इसे नेवाडा टेस्ट साइट के नाम से सुनता हूं. उन्होंने अपोलो अंतरिक्ष यात्रियों को कुछ गड्ढों में घुसने के लिए कहा था ताकि वो देख सकें और जान सकें कि चंद्रमा पर मौजूद गड्ढे कैसे होंगे'. वहीं, कुछ यूजर्स इस विशालकाय गड्ढे को 'यूएफओ क्रैश साइट' भी बता रहे हैं। ए

रिया 51 एक संवेदनशील इलाका है, जहां बिना परमिशन किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होती. यहां 24 घंटे निगरानी होती रहती है. यही वजह है कि कुछ लोगों ने इसको लेकर कहानियां बना लीं और कहने लगे कि यही वो जगह है, जहां अमेरिका एलियंस पर रिसर्च करता है. हालांकि इसका कोई पुख्ता प्रमाण अब तक नहीं मिल पाया है।

अब गाय की डकार से बनेंगे हीरे, जानकर चौंक गए लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

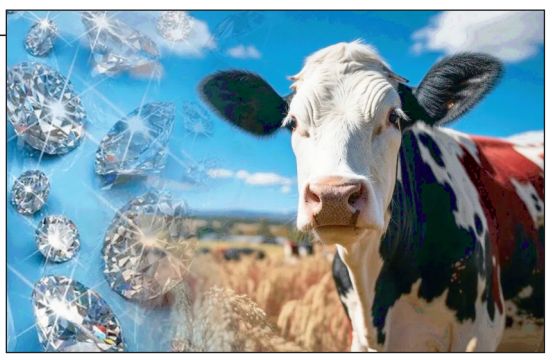

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : इंसान की जरूरत ने उससे बड़े-बड़े आविष्कार करवाए हैं. इसे आवश्यकता ही कहिए कि आज के समय में इंसान धरती से चांद तक पहुंच गया. हालांकि, कई बार हम लोग अपनी जरूरत के हिसाब से ऐसे-ऐसे आविष्कार कर लेते हैं, जिसके बारे में जानकर ही लोग दंग रह जाते हैं. अब एक ऐसा ही आविष्कार लोगों के बीच चर्चा में आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया, क्योंकि iPod के आविष्कारक टोनी फैडेल अब गाय की डकार से हीरे तैयार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टोनी फैडेल गाय की डकार और गैस से निकले मीथेन को हीरे में बदल रहे हैं. जिसका इस्तेमाल आज इलेक्ट्रॉनिक्स में हो रहा है.

ब्रातिस्लावा में स्टार्मस फेस्टिवल के दौरान जब अपने इस नए प्रयोग की जानकारी दुनिया के सामने रखी तो लोग काफी ज्यादा हैरान रह गए. अपने बयान में उन्होंने कहा कि इतने सालों में मैंने अरबों-खरबों प्रोडक्ट बनाए जिनको आज दुनिया इस्तेमाल कर रही है, लेकिन अब मेरा ये प्रोडक्ट धरती को बचाने के लिए है। अपने बयान में उन्होंने आगे कहा कि अब मैं अपना ज्यादातर समय में उन चीजों को तैयार कर रहा हूं, जो धरती की मदद करने वाले प्रोडक्ट होंगे. अब इसमें मीथेन का रिसाव पता लगाने के लिए मेरी टीम ने इस साल की शुरुआत में मीथेन सेट नाम को जो उपग्रह लॉन्च किया है. जिसकी मदद से हमें मीथेन की सोर्स का पता चलेगा क्योंकि हमें हीरा बनाने के लिए भारी मात्रा में मीथेन की आवश्यकता होगी. अपने इस प्रोजक्ट के लिए मैंने डायमंड फाउंड्री नाम की एक कंपनी शुरू की है. जो या तो जमीन से या गाय जैसे जानवरों से बायो मीथेन लेगी और आर्टिफिशियल हीरे को तैयार करेगी। मेरे इस आविष्कार का सिर्फ इतना मकसद है कि हम धरती से किसी तरह मीथेन को रोकने की कोशिश है, ताकि ये वातावरण में न फैले क्योंकि इससे धरती के तापमान में इजाफा हो रहा है और हमारे अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है. इसी चीज को ध्यान में रखकर मैंने सीएच 4 ग्लोबल नाम की एक और कंपनी बनाई थी तो हम लाल समुद्री शैवाल बनाते हैं. जिसे आप अगर गाय को चारे में मिलाकर खिलाएं तो तो उनकी डकार आनी 80 से 90 फीसदी तक कम हो जाएगी. जानकारी के लिए बता दें कि टोनी की बात बिल्कुल सही है क्योंकि एक बार मीथेन निकलने के बाद वो इंसानों के लिए 80 फीसदी हानिकारक हो जाता है. यह 20 वर्षों तक वायुमंडल में रहती है।

Chardham Yatra 2024 : यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की सीमा खत्म, पंजीकरण की संख्या अब सीमित नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जून : धामी सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की सीमा खत्म कर दी है। चारधाम यात्रा के लिए हरिद्वार और ऋषिकेश आने वाले श्रद्धालुओं का पंजीकरण कर उन्हें यात्रा पर भेजा जा रहा है। पंजीकरण की संख्या अब असीमित है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं के लिए प्रदेश सरकार ने एक बहुत बड़ा निर्णय लिया है। मंगलवार को हुई मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में ये फैसला लिया गया कि पंजीकरण की सीमा को अब सीमित नहीं रखा जाए और जितने भी तीर्थयात्री आ रहे हैं उनका पंजीकरण कर चारधाम यात्रा पर भेजा जाए। साथ ही बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाएं जिससे श्रद्धालुओं को किसी समस्या से न गुजरना पड़े और तीर्थयात्री एक सुखद संदेश लेकर उत्तराखंड से अपने गंतव्य को जाएं।

चारधाम यात्रा शुरू होने से अब तक तीर्थयात्रियों का आकड़ा करीब 20 लाख से अधिक पार कर चुका है और प्रतिदिन चारों धामों में 50 से 55 हजार श्रद्धालु दर्शन करने पहुँच रहे हैं।

दुःखद खबर ये भी है कि मौतों का आकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है अभी तक 109 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। बीते दिन हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में धामी जी ने निर्देश दिए गए कि यात्रा प्राधिकरण के गठन के लिए कर्तव्यों और दायित्वों का निर्धारण किया जाए। इसमें प्रशासन, मंदिर, परिवहन, टूर एजेंट और अन्य संबंधित पक्षों के साथ बैठकें आयोजित की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा मार्गों पर 42 सीटर बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कैंची धाम महोत्सव : 14-15 जून को पहाड़ आने वाले ध्यान दें, ट्रैफिक प्लान जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 13 जून : हर साल की तरह इस साल भी 15 जून को कैंची महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है। प्रशासन द्वारा हर मोर्चे पर अफसरों की टीम तैनात कर दी गई है कैंची मेले में पहली बार इमरजेंसी पड़ने पर मरीज को हायर सेंटर ले जाने के लिए हेली सेवा का उपयोग किया जाएगा।

14 जून और 15 जून को विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम स्थापना दिवस के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नैनीताल पुलिस ने किया यातायात रूट प्लान जारी किया है।यदि आप आ रहे हैं कैंची धाम तो रूट प्लान का अवश्य करें पालनदिनांक 14 एवं 15 जून 2024 को कैंची धाम मेले हेतु यातायात डायवर्जन प्लान

कैंची धाम डायवर्सन1- अल्मोडा से हल्द्वानी को आने वाला समस्त ट्रैफिक क्वारब से शीतला रामगढ़ होते हुए हल्द्वानी को जायेगा।2- हल्द्वानी से अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ आदि को जाने वाला ट्रैफिक खुटानी से रामगढ़ की तरफ डायवर्ट किया जायेगा।3- बेतालघाट, रानीखेत, खैरना से हल्द्वानी को आने वाला ट्रैफिक क़वारब होते हुए बाया रामगढ़ से खुटानी को आयेगा।4- भवाली से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, काशीपुर, बाजपुर आदि स्थानों को जाने वाला ट्रैफिक बैंड न01 से रूसी 2 व रुसी-1 होते हुए कालादूँगी को जायेगा।5- रामनगर कालाढूंगी से कैंची धाम को जाने वाला ट्रैफिक रुसी-1 व रूसी-2 से बैण्ड न0-1 होते हुए मस्जिद तिराहा भवाली तक जायेगा।

सभी प्रकार के भारी वाहनों का आवागमन पूर्णतः बन्द रहेगा।नैनीताल शहर हेतु यातायात प्लान-1- भवाली से नैनीताल को आने वाला ट्रैफिक बैण्ड न0-1 से रुसी-2 होते हुए नैनीताल को आयेगा।2- नैनीताल से दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, काशीपुर, बाजपुर आदि स्थानों को जाने वाला ट्रैफिक रुसी -1 होते हुए वाया कालाढूंगी से अपने गंतव्य को जायेगा।3- कालादूँगी से नैनीताल को आने वाला सारा ट्रैफिक रुसी-1 से रुसी-2 होते हुए नैनीताल को आयेगा।4- रुसी-1 पार्किंग स्थल नारायण नगर से समन्वय बनाएगा कोई भी ट्रैफिक नारायण नगर पार्किंग से आगे नहीं आयेगा।

01- बैण्ड न0-1 व नैनीताल से आने वाले ट्रैफिक हेतु-● मस्जिद तिराहा से नैनी बैंड बाईपास रोड पर एक तरफ● सैनिटोरियम से रातिघाट रोड पर एक तरफ●मस्जिद तिराहा से नैनीताल रोड पर एक तरफ02- भीमताल से आने वाले ट्रैफिक हेतु –● रामलीला ग्राउण्ड भवाली● नैनी बैण्ड से मस्जिद तिराहा रोड पर एक तरफ● विकास भवन भीमताल ग्राउण्ड ● ग्रेफिगैरा ग्राउण्ड भीमताल● थाने के पास मत्स्य विभाग पार्किंग03- दो पहियां Two Wheelers) वाहन पार्किंग● भारत माता पार्किंग भवाली● ग्राउंड फ्लोर परिवहन पार्किंग भवाली● सनिटोरियम पार्किंग भवाली● पेट्रोल पंप पार्किंग भवाली● आंचल मिल्क डैरी पार्किंग भवाली04- शटल सेवा-● भीमताल से कैंची धाम (सभी पार्किंग स्थलों से● मस्जिद तिराहा से कैंची धाम (सभी पार्किंग स्थलों से)● खैरना से कैंची धाम तक

अपील-सभी श्रद्धालुओं/पर्यटकों से अनुरोध है कि यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में नैनीताल पुलिस का सहयोग करें तथा यातायात के नियमों का पालन करते हुए अपनी लेन में चलें। यदि किसी भी वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

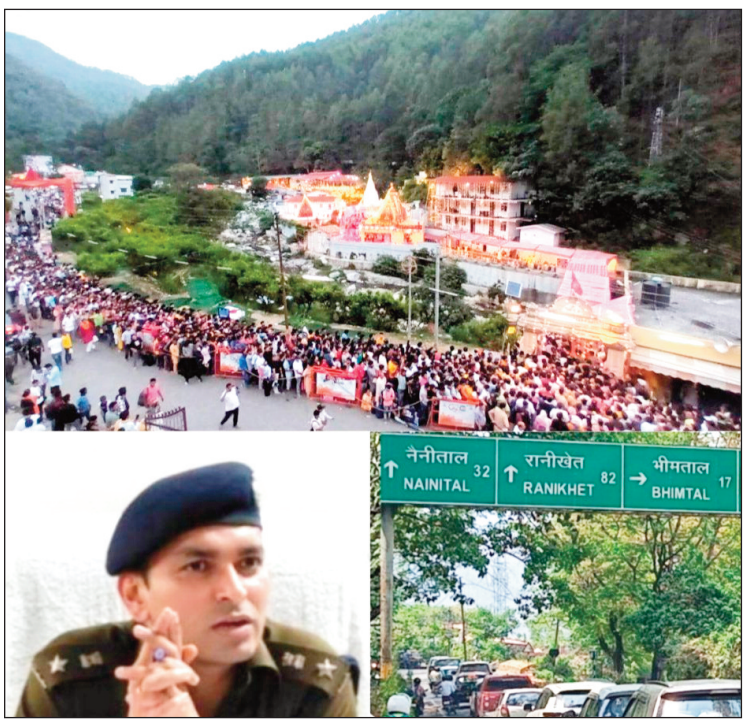

उत्तराखंड : कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत के जनता दरबार में इन फरियादियों को मिला न्याय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 13 जुन : हल्द्वानी के कैम्प कार्यालय में आयुक्त दीपक रावत ने जनसुनवाई कर मौके पर शिकायतों का समाधान किया। जन शिकायतों में अधिकांश शिकायतें, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद व अतिक्रमण, आदि से सम्बन्धित आई। जनसुनवाई में आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को तलब कर समस्याओं का मौके पर समाधान किया।आयुक्त द्वारा काफी दिनों के पश्चात जनसुनवाई में आमजनमास की मुख्यतयाः भूमि विवाद की समस्याओं का आयुक्त ने मौके पर समाधान किया गया। काफी लंबित भूमि विवाद की समस्याओ का समाधान होने पर लोगों द्वारा आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में देवकी देवी ग्राम बैजूनिया हल्दू कालाढूगी ने बताया कि उन्होने क्रेता भूमि योगेश चन्द्र से 11 लाख में 27 दिसंबर 2023 को क्रय की गई थी। विक्रेता के पुत्र एवं पुत्री के धनराशि विवाद के चलते कब्जा नहीं दिया गया था। आयुक्त ने उक्त प्रकरण की तहसीलदार कालाढूगी को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिये थे। आयुक्त रावत ने तीनों पक्षों को 02 मार्च 2024 को तलब कर 11 लाख की धनराशि पुत्र एवं विक्रेता की माता को बराबर देने के निर्देश दिये। क्रेता द्वारा 11 लाख की धनराशि का भुगतान कर दिया है तथा कब्जा भी दिला दिया गया है। जिस पर देवकी देवी ने आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

जयश्री व सुमन निवासी लालपुर रूद्रपुर ने बताया कि दोनो ने मिलकर अलास्का रेजीडेंसी लालपुर प्लाट क्रय किये थे।

जयश्री ने 133 गज का प्लाट 6 लाख 60 हजार में लिया था धनराशि दे दी गई है लेकिन 3 वर्ष होने के उपरान्त प्लाट रजिस्ट्रेशन प्रबंधक द्वारा नहीं की गई। जिस पर आयुक्त ने अलास्का रेजीडेंसी के प्रबंधक को तलब किया उनके द्वारा बताया गया कि सोमवार को रजिस्ट्रेशन करा दिया जायेगा तथा सुमन ने 100 गज का प्लाट 3 लाख 50 हजार में लिया था जिसकी रजिस्ट्री अलास्का प्रबन्ध द्वारा करा दी गई है जिस पर सुमन ने आयुक्त का आभार व्यक्त किया।

मानसून आते ही इन जगहों की बढ़ जाती है खूबसूरती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : रिमझिम होती बारिश और सामने ऊंचे पहाड़, बहते झरने, हरे-भरे पेड़ों पर गिरती पानी की बूंदे, सुहाना मौसम, ये सभी चीजें एक साथ देखने को मिल जाएं तो यह किसी के लिए भी जन्नत के नजारे से कम नहीं होगा. बारिश के मौसम में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो कुछ ऐसी जगहें हैं जहां मानसून में आपको जरूर विजिट करना चाहिए. ये जगहें बारिश में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती हैं।

मानसून के दिनों में नेचर की ब्यूटी भी और ज्यादा खिल उठती है. ऐसे में आप किसी ऐसी जगह पर हो जहां का मौसम सुहाना हो, ठंडी हवाएं आपको छूकर गुजर रही हो और प्रकृति का खूबसूरत दृश्य सामने हो तो क्या ही कहना. किसी के लिए भी ऐसी ट्रिप अपनी लाइफ में यादगार रहेगी. भारत की ऐसी ही कुछ जगहें हैं जहां मानसून में जाना आपके लिए जैसे धरती पर स्वर्ग में पहुंच जाने जैसा होगा. तो चलिए जान लेते हैं। आपको कोई हरियाली भरी जगह विजिट करनी है और सुकून भरा वक्त बिताना है तो फैमिली, दोस्तों या फिर पार्टनर के साथ मुन्नार जाएं. आप केरल के मुन्नार को मानसून में विजिट कर सकते हैं, क्योंकि इस दौरान यहां का मौसम और चाय के बागानों का व्यू काफी खूबसूरत रहता है।

राजस्थान वैसे तो सबसे गर्म प्रदेशों में से एक है, लेकिन यहां का हिल स्टेशन माउंट आबू लोगों की पसंदीदा डेस्टिनेशन में से एक है. आप मानसून के मौसम में माउंट आबू जा सकते हैं. प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ ही आप यहां पर मंदिरों के दर्शन भी कर सकती हैं. बारिश में माउंट आबू की झीलों और पहाड़ों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं।

मानसून के दिनों में आप कर्नाटक के कुर्ग में विजिट कर सकते हैं. यहां के हरे-भरे जंगल और पहाड़ों से गिरते झरने बारिश में और भी ज्यादा खूबसूरत दिखाई देते हैं. वहीं मानसून में यहां पर कॉफी के हरे बागानों को निहारने का मजा ही अलग होता है। भारत में कहीं अगर सबसे ज्यादा बारिश होती है तो वह जगह है चेरापूंजी, मेघालय की गोद में बसी यह जगह अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनियाभर में मशहूर है. वहीं मानसून के मौसम में यहां की ब्यूटी और भी ज्यादा बढ़ जाती है। तमिलनाडु में बसा कोडाइकनाल बेहद खूबसूरत प्राकृतिक जगहों में से एक है. इसे 'प्रिंसेस ऑफ हिल स्टेशन्स' के नाम से भी जाना जाता है. मानसून के मौसम में यहां की हरियाली और मौसम में छाई हल्की नेचुरल धुंध व्यू को और भी शानदार बना देती है.

मौत के बाद भी महिला ने 14 साल तक की नौकरी, 16 साल उठाया पेंशन, अजीब है ये मामला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : भूत प्रेत की आपने आजतक कई तरह की कहानियां पढ़ी और सुनी होगी. जहां इंसान मरने के बावजूद अपने रिश्तेदारों के पास आता है. हालांकि कई बार ऐसा होता है कि कहानी भूत-प्रेत की नहीं होती है. लेकिन एक अलग ही लेवल का घपला होता है. जिसके बारे में जानने के बाद दुनिया हैरान रह जाती है. ऐसी ही एक कहानी इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है. जिसमें एक महिला ने मरने के बावजूद 14 साल नौकरी की और फिर पेंशन भी उठाया।

ये अजीबोगरीब मामला इन दिनों चीन से सामने आया है. जहां एक महिला की मौत सड़क हादसे में हो गई थी, लेकिन बावजूद इसके कंपनी के रिकॉर्ड के मुताबिक वो जिस फैक्ट्री में काम करती थी, वहां वो काम करने आती थी. हैरानी की बात तो ये है कि 14 साल तक उसने काम किया और साल 2023 तक उसने अपनी पेंशन भी ली, जिसके लिए उसी उसे 393,676 युआन पेंशन के रूप में मिलते रहे. अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि भला कोई मरने के बाद नौकरी कैसे कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 1993 में वुहान की एक फैक्ट्री में काम करने वाली इनर मंगोलिया की एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई, लेकिन इसके बावजूद उसने 2007 तक फैक्ट्री में काम किया और 2023 तक पेंशन उठाई. लेकिन असल में उसकी जगह उसकी बहन नौकरी पर जाया करती थी. दरअसल महिला ने कार दुर्घटना में अपनी बहन के मरने के बाद चुपचाप उसकी आईडी ली और उसकी फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। यहां हैरानी की बात तो ये है कि वो दोनों जुड़वां भी नहीं थी, फिर भी महिला ने साल 14 तक कारखाने में काम किया और 16 सालों तक पेंशन ली. हालांकि अब ये फ्रॉड जब खुला तो महिला ने सारी बातें स्वीकार की और पैसे चुकाने की भी बात कही. बावजूद इसके महिला को 3 साल की सजा और करीब 3 लाख का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है. ये कहानी इंटरनेट पर आते ही छा गई और

कहीं नकली पानी तो नहीं पी रहे हैं आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : पहले के समय में हर कुछ प्राकृतिक होता था. लोगों को प्यास लगती थी तो बड़े आराम से किसी नदी या कुएं का पानी पी लेते थे. लेकिन समय के साथ इंसान ने तरक्की के नाम पर काफी प्रदूषण फैला दिया. इसका नतीजा हुआ कि नदी-नाले का पानी दूषित हो गया. अब तो घर पर आने वाला पीने का पानी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं माना जाता.

हर घर में आरओ लगाए जाने के बाद भी दूषित पानी की समस्या देखने को मिल रही है.पहले बाहर जाते वक्त लोग घर से ही अपने लिए पीने का पानी लेकर जाते थे. लेकिन अब पैकेज्ड वाटर काफी पॉपुलर हो गया है. आप दस या बीस रुपए में एक लीटर पानी की बोतल खरीद कर अपनी प्यास बुझा सकते हैं. लेकिन जैसा कि इंसान की फितरत है, उसने इसमें भी लालच करना शुरू कर दिया. अब कई लोग मिनरल वॉटर के नाम पर दूषित पानी ही बोतल में भरकर बेचने लगे हैं. इस पानी को हम मिनरल वॉटर समझ पी लेते हैं लेकिन ये फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाता है.

सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर किया गया, जिसमें ये बताया गया कि कैसे हम चेक कर सकते हैं कि हमारे द्वारा खरीदा गया पानी असली है या नकली. जी हां, आजकल कई लोग बोतलों में गंदा पानी ही भरकर मिनरल वाटर के नाम पर बेचने लगे हैं. इस पानी को पीने से आपको नुकसान होगा लेकिन इसकी कीमत मिनरल वॉटर जितनी ही होती है. ऐसे में ये सवाल उठता है कि हमें कैसे पता चलेगा कि जो पानी हम खरीद रहे हैं वो असली है या नकली। अगर आप ये पता करना चाहते हैं कि जो पानी आप खरीद रहे हैं वो असली है भी या नहीं तो इसे आप एक ऐप के जरिये चेक कर सकते हैं. आपको अपने मोबाइल में BISCARE नाम का ऐप डाउनलोड कर लें. इसे खोलने के बाद इसके वेरीफाई लाइसेंस डिटेल सेक्शन में जाएं. बोतल के ऊपर एक कोड लिखा होता है. उसे ऐप में डालें और इसके बाद आपको उस बोतल की सारी डिटेल मिल जाएगी. बोतल कहां पैक हुई है, इसका पानी मिनरल वॉटर है या नहीं, ये सब आपको पता चल जाएगा।

बियर के खाली कैन ने इस शख्स को बनाया लखपति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : हर इंसान के लिए शराब पीना हानिकारक है, ये सिर्फ शरीर के लिए नहीं बल्कि जेब के लिए नुकसान वाला सौदा होता है. कई बार तो शराब के चक्कर में परिवार ही तबाह हो जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक शख्स ऐसा भी है जिसकी शराब के कारण किस्मत ही बदल गई. शराब पीने के इस शौक की बदौलत अमीर हो गया. सुनने में आपको ये बात भले ही थोड़ी अजीब लग रही हो लेकिन ये पूरी तरीके से एकदम सच है।

हम बात कर रहे हैं ब्रिटेन के रहने वाले 65 वर्षीय निक वेस्ट की, जो पिछले 42 साल से बीयर की कैन जमा कर रहे थे. अपने इस शौक के कारण उनके घर में 10,300 कैन जमा हो गईं. जिनमे से कुछ तो काफी ज्यादा दुर्लभ थे. वेस्ट ने आगे कहा कि ये सिलसिला उस दौरान शुरू हुआ जब मैं 16 साल का था और मुझे टिकटें और अन्य चीजें इकट्ठा करने में मजा आता था. इसी दौरान मुझे दोस्तों के साथ मुझे शराब की लत लग गई और मैंने इसे मैंने जमकर बियर पीना शुरू कर दिया। हालांकि उस दौरान मैं बियर की कैन को जमा रखता था, जिससे मुझे काफी ज्यादा मजा आने लगा. एक समय आया जब मेरे शौक के कारण मेरा रूम मुझे छोटा पड़ने लगा. इसके बाद मैंने अपने शौक को पूरा करने के लिए 5 बेडरूम का एक नया मकान किराये पर लिया, लेकिन रिटायरमेंट के बाद मुझे पैसों की कमी होने लगी.

अब इन डिब्बों को रखने के लिए जगह नहीं थी. इसलिए वेस्ट ने इनमें से कुछ डिब्बों को बेचने का फैसला किया. पहले 6000 डिब्बे बेचे, जिससे 13500 डॉलर (14 लाख रुपये) मिले क्योंकि ये सारे कैन काफी ज्यादा यूनिक थे। इसके बाद मैंने 1,800 डिब्बे इटली में बीयर कैन डीलरों को बेचे, जिसके बदले मुझे 12500 डॉलर मिले. हालांकि उनमें से ज्यादा कैन मैंने ब्रिटिश म्यूजिम को दान कर दिए हैं. इसके अलावा मेरे पास तीन ऐसे कैन थे जो काफी ज्यादा दुर्लभ नजर आ रहे थे. ने इसे इसलिए रखा क्योंकि इसकी डिजाइन और सादगी मुझे बेहद पसंद है. निक वेस्ट ने आगे बताया कि मेरे पास सबसे पुरानी बियर की कैन 1936 की है. जो दिखने में काफी अच्छी लगती है।

दून की साक्षी ने पॉवर लिफ्टिंग में जीता गोल्ड

देहरादून। दिल्ली के बुराड़ी में सात से दस जून तक हुई नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में दून की साक्षी ने गोल्ड मेडल जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में 80 से अधिक महिला खिलाड़ी शामिल हुईं। साक्षी ने बताया कि उन्होंने 63 किलो में जूनियर वर्ग में हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने पहला स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़, यूपी, तेलंगाना, ओडिशा समेत कई राज्यों के खिलाड़ियों पहुंचे थे। साक्षी देहरादून में खुड़बुड़ा मोहल्ला निवासी हैं। जिन्होंने दूसरी बार नेशनल खेला। इससे पहले नेशनल प्रतियोगिता में उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। साक्षी देहरादून की चकराता रोड स्थित एक पावर लिफ्टिंग एकेडमी में कोच अर्जुन गुलाटी से प्रशिक्षण लेती हैं।

बच्चों को दिया विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण

देहरादून। कल्पवृक्ष सस्टेनेबल डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से बुधवार को नथुवावाला स्थित सुभाष चंद्र बोस एकेडमी में दस दिवसीय बूटकैंप का समापन किया गया। जिसमें सरकारी स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें कोडिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, योग, दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी बोलना, रियल वर्क एनवायरनमेंट, सीखने के साथ साथ कमाना और अमेरिका-यूरोप के क्रियाशील आईटी विशेषज्ञ के साथ संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि भाजपा प्रशिक्षण विभाग के प्रदेश सह-संयोजक दिगंबर सिंह नेगी ने सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की। कहा कि वंचित वर्ग के छात्र इस तरह का प्रशिक्षण पाकर राज्य को नए आईटी उत्पादों और सेवाओं के साथ योगदान देंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी संभालेंगे भारतीय सेना की कमान, 30 जून को बनेंगे आर्मी चीफ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी अगले सेना प्रमुख होंगे। वह वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का स्थान लेंगे। उनके नाम की घोषणा सरकार की ओर से मंगलवार रात की गई। जनरल पांडे 30 जून को रिटायर होंगे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की नियुक्ति में सरकार ने की और से पालन किया है। सरकार ने कुछ ही दिन पहले जनरल पांडे की रिटायरमेंट से पहले उनका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया था। जनरल पांडे को 31 मई को पहले रिटायर होना था। रक्षा मंत्रालय ने कहा सरकार ने वर्तमान में उप सेना प्रमुख के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को 30 जून से अगले सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है।

एक जुलाई 1964 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल, रीवा के पूर्व छात्र हैं। वह 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की 18-जम्मू कश्मीर राइफल्स में शामिल हुए थे। बाद में उन्होंने यूनिट की कमान संभाली।लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने 19 फरवरी को उप सेना प्रमुख का पदभार संभाला था। उप सेना प्रमुख का पदभार संभालने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 2022-2024 तक उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यरत थे।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने व्यापक अनुभव है। वह वर्तमान में उप सेना प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। vदेश के नए आर्मी चीफ के पास आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का अनुभव है। उनके पास उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर काम करने का शानदार अनुभव है। उन्हें उत्तरी पूर्वी राज्यों में उग्रवाद से निपटने वाले ऑपरेशन में भी महारत हासिल है।नए आर्मी चीफ सेना के आधुनिकीकरण प्रक्रिया में भी शामिल रह चुके हैं। मेक इन इंडिया के तहत सेना में स्वदेशी हथियारों को शामिल कराने में उनकी अहम भूमिका रही।उपेंद्र द्विवेदी नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू से भी पाठ्यक्रम पूरा किया है। उनके पास रक्षा और प्रबंधन अध्ययन में एम फिल और सामरिक अध्ययन और सैन्य विज्ञान में दो मास्टर डिग्री है।उपेंद्र द्विवेदी को 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री(जम्मू और कश्मीर राइफल्स) में कमीशन मिला था। 40 वर्षों की लंबी सेवा के दौरान लेफ्टिनेंट द्विवेदी ने विभिन्न कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में काम किया है।

औचक निरीक्षण : मिशन निदेशक NHM स्वाति भदौरिया ने किया नैनीताल जनपद का दौरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल, 13 ,जून जनपद नैनीताल की स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों का क्या हाल है इसको जानने के लिए मिशन निदेशक NHM स्वाति एस भदौरिया ने नैनीताल जनपद का दौरा किया। इस दौरान मिशन निदेशक ने कई अस्पतालों को औचक निरीक्षण कर अस्पतालों में मिलने वाली सुविधाओं व स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का किया मूल्यांकन किया।

अस्पतालों में खाली पड़े पदों को NHM के तहत शीघ्र भरने के निर्देश

नैनीताल स्थित बी.डी. पांडे जिला अस्पताल का निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाली पड़े पदों को एनएचएम के तहत शीघ्र भरने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मिशन निदेशक NHM स्वाति भदौरिया ने विभिन्न विभागों का दौरा किया, जिसमें अल्ट्रासाउंड, इमेरजेंसी, लैब, प्रसूति वार्ड, स्टोर व अन्य महत्वपूर्ण विभाग शामिल रहे।

मिशन निदेशक NHM द्वारा जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किये जाने हेतु व जिला चिकित्सालय में प्रसव को आ रही महिलाओं व आकस्मिक सेवाओं को बहेतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किये जाने व गर्भवती महिलाओं में हाई रिस्क प्रेगनेंसी का चिन्हीकरण कर संस्थागत प्रसव करवाये जाने के निर्देश दिये।

जनपद में दो अर्बन हेल्थ सेंटर खोले जाने के निर्देश

मिशन निदेशक NHM स्वाति एस भदौरिया द्वारा जनपद नैनीताल में 2 अर्बन हेल्थ सेंटर खोले जाने है जिसके लिये आवश्यक कार्यवाही के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये गये। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चिकित्सालय में टाइप 4 भवन, मेडिकल स्टोर, पार्किंग, क्रिटिकल केयर ब्लॉक, ओपीडी ब्लॉक के निर्माण हेतु स्थान का चुनाव करने के निर्देश दिये।

मिशन निदेशक NHM स्वाति एस भदौरिया ने जी.बी.पन्त चिकित्सालय परिसर मे टाइप 4, टाइप 3, भवन बनाये जाने पत्रवाली को तैयार कर जिला स्वास्थ्य समिति के सुमुख लाये जाने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये गये। मिशन निदेशक NHM स्वाति एस भदौरिया ने निरीक्षण के दौरान भवाली सेनिटोरियम, बेस चिकित्सालय में स्वीकृत निर्माण कार्यो में तेजी व बी.पी.एच.यू. हेतु धारी, ओखलकांडा, रामगढ़, रामनगर में स्थान का चुनाव करने हेतु सम्बन्धितों को निर्देश दिये गये।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित कर चिकित्सालय में 4 भवन ध्वस्तीकरण किये जाने है उनका निस्प्रोजय प्रमाण पत्र प्रथमिकता के आधार पर प्राप्त करते हुए राज्य को उपलब्ध कराये।

मिशन निदेशक NHM स्वाति एस भदौरिया द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, खुर्पाताल का निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये की ई.डी.एल. के तहत दवाइयों की मांग को ऑनलाइन ई-पोर्टल के माध्यम से मांग पत्र समय से भेजें। जनपद की सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सी.एच.ओ.) द्वारा ससमय पोर्टल पर कार्य सम्पादित करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने अस्पताल के स्टाफ से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक को निर्देश दिए कि वे सभी जरूरी सुधार कार्य जल्द से जल्द करें और मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं।इस दौरान डॉ श्वेता भंडारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ तरुण कुमार टम्टा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ द्रोपदी गर्बियाल, डॉ वी.के. धर्मसतु अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ हेमन्त मर्तोलिया प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, मदन महेरा जिला कार्यक्रम प्रबंधक, पंकज तिवारी, बच्चन कालाकोटी, सरयू नंदन जोशी, दिवान बिष्ट, देवेंद्र बिष्ट, स्वतिशील गुरानी, आदि अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर चढ़ा इश्क का बुखार, पति और पांच बच्चों को छोड़ पहुंच गई प्रेमी के पास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून :पिछले साल प्रेमी की खातिर पाकिस्तान छोड़ 4 बच्चों संग भारत पहुंची सीमा हैदर के बारे में तो हर कोई जानता है. राजस्थान के जैसलमेर में भी एक शादीशुदा महिला ने कुछ ऐसा ही किया. उसने देश की सीमा तो नहीं लांघी लेकिन प्रेमी की खातिर अपने पति और पांच बच्चों को जरूर छोड़ दिया. जैसलमेर से वह गुजरात पहुंची और प्रेमी के साथ लिव-इन-रिलेशन में रहने लगी. मामला पुलिस तक पहुंचा तो उसने कहा कि वो पति से तंग आ गई थी. अब अपनी पूरी जिंदगी प्रेमी के साथ ही बिताएगी और जल्द ही शादी भी करेगी।

32 साल की नेमी देवी को इंस्टाग्राम चलाने का शौक है. वह रील्स भी बनाती है. उसके इंस्टाग्राम पर 40 हजार से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं. इंस्टाग्राम पर ही उसकी मुलाकात लोक गायक भीमाराम से हुई. दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया और अब शादी कर उसी के साथ रहना चाहती है। पुलिस ने बताया कि महिला के पति ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी. पुलिस ने नेमी देवी की तलाश शुरू की. तलाश चल ही रही थी कि बीते दिन अचानक बाड़मेर जिला मुख्यालय के महिला थाने में नेमी देवी खुद अपने प्रेमी के साथ पेश हो गई. वहां उसने बताया कि उसका पति उसके साथ मारपीट करता था. शक भरी नजरों से देखता था, इससे वह तंग आ चुकी थी।

डेढ़ साल पहले फिर इंस्टाग्राम पर उसकी पहचान लोक गायक भीमाराम से हुई. फोन नंबर एक्सचेंज हुए. फिर चला बातचीत का दौर. बात करते-करते दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया. तब उन्होंने तय किया कि अब वे साथ में रहेंगे. इसलिए वह पति और पांचों बच्चों को छोड़ प्रेमी के पास गुजरात पहुंच गई. जल्द ही दोनों शादी भी कर लेंगे. फिलहाल पुलिस ने दोनों के बयान लेकर उन्हें जाने दिया है. लेकिन मामले में जांच अभी जारी है. देखना होगा कि आगे पुलिस इस पर क्या एक्शन लेती है. उधर, इस लव स्टोरी की चर्चा अब पूरे इलाके में हो रही है।

OMG : 295 फीट की ऊंचाई पर हवा में लटका है रेस्टोरेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बटोरो रिपोर्ट 13 जून : सोशल मीडिया पर एक हैरान कर देने वाला रेस्टोरेंट की काफी चर्चाओं में . जिसमें एक कपल को 295 फीट की ऊंचाई पर बीच हवा में देखा जा रहा है. सामने झरना बह रहा है. दोनों टेबल पर खाना रखकर उसका मजा लेते दिख रहे हैं. ये फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर क्रिस्टियाना हार्ट नामक महिला और उनके रैपर पार्टनर ने शेयर किया है. 28 साल की हर्ट का कहना है कि वो ब्राजील में कुछ अलग करने की कोशिश कर रही थीं. तभी उन्हें हवा के बीच खाना खाने की इस जगह के बारे में पता चला. हर्ट ने बताया कि वो अपने पार्टनर के साथ पहले चलकर वॉटर फॉल तक गईं. इसके बाद इन्हें टेबल पर बिठाने से पहले बॉडी पर स्ट्रिप्स बांधी गई . टेबल ऊपर एक रस्सी से बंधा हुआ था. फिर यहां दोनों ने चीज़, क्रैकर्स, सैंडविच और फल खाए. इस 15 मिनट के अनुभव के लिए इन्हें 5 हजार डॉलर (करीब 4 लाख रुपये) देने पड़े हैं. इन पैसों में ही कपल की तस्वीरें क्लिक की गईं और ड्रोन की मदद से वीडियो बनाकर दिया गया. इनका कहना है कि ये खाने के लिए नहीं

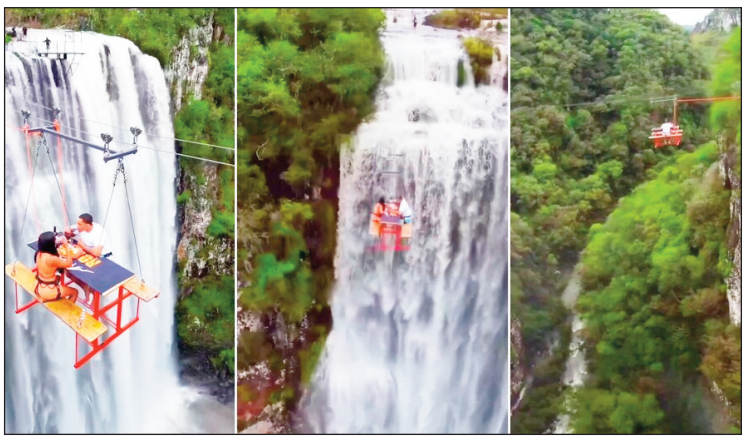

बल्कि इस खूबसूरत नजारे का लुत्फ उठाने के लिए यहां आए थे.

हर्ट ने कहा, 'अनुभव इस दृश्य को देखने के लिए था, न कि खाने के लिए.' कपल ने अपने इस ट्रिप की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. फोटो को अभी तक लाखों लोगों ने देख लिया है. लोग फोटो को खूब लाइक कर रहे हैं. साथ ही इस पर कमेंट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक ऑनलाइन यूजर ने लिखा है, 'लोग अपनी जिंदगी से बहुत ज्यादा खेलने लगे हैं.' एक अन्य यूजर ने कहा, 'इसके लिए पैसे दिए हैं या फिर पैसे मिले हैं.' तीसरे यूजर ने कहा, 'अनावश्यक कार्यों के इतिहास में इसे टॉप 3 में शामिल होना चाहिए.' चौथे यूजर ने कहा, 'हां लेकिन इस रिस्क के लिए 5000 डॉलर बहुत ज्यादा हैं. मुझे लगता है कि इन्हें मुझे पैसे देने चाहिए, इतने आत्मविश्वास के लिए.' पांचवें यूजर ने कहा, 'नहीं, मैं अपना खाना ठीक से पचा नहीं बहुत ज्यादा है. मुझे लगता है कि इन्हें मुझे पैसे देने चाहिए, इतने आत्मविश्वास के लिए.' पांचवें यूजर ने कहा, 'नहीं, मैं अपना खाना ठीक से पचा नहीं पाऊंगा।

पेयजल संकट से त्रस्त लोगों का दिलाराम वाटर वर्क्स में मटका फोड़ प्रदर्शन

देहरादून। राजपुर रोड, काठबंगला, ढाकपट्टी, किशनपुर क्षेत्र के पेयजल उपभोक्ताओं ने पेयजल संकट से त्रस्त होकर बुधवार को दिलाराम वाटर वर्क्स स्थित जल संस्थान के अधिशासी अभियंता कार्यालय में मटका फोड़कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस महानगर महिला इकाई अध्यक्ष उर्मिला ढौंडियाल थापा के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन के दौरान पेयजल संकट का समाधान न होने पर गुरुवार को फिर वाटर वर्क्स में धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है। कांग्रेस महानगर महिला अध्यक्ष उर्मिला ढौंडियाल थापा ने बताया कि पूरे वार्ड नम्बर 4 राजपुर क्षेत्र में पिछले एक हफ्ते से सैकड़ों की आबादी पेयजल संकट का सामना कर रही है। जल संस्थान में शिकायत करने पर भी समाधान नहीं किया जा रहा। अधिकारी सिर्फ कोरे आश्वासन ही देते रहते हैं। मौजूदा समय में मसूरी डायवर्जन से नीचे किशनपुर, काठबंगला, आंशिक कैनाल रोड, शनि देव मंदिर से आगे गब्बर सिंह बस्ती, ढाकपट्टी गांव राजपुर में पानी की भारी किल्लत है। काठ बंगला में 64 घरों के लोग तीन जून से एक किलोमीटर दूर से पानी ढोकर ला रहे हैं। किशनपुर में जहां तीसरी, चौथी मंजिल तक भी आसानी से पानी चढ़ जाता था वहीं अब पानी का लो प्रेशर है। कैनाल रोड में छह दिन से लोग टैंकर के भरोसे चल रहे हैं। उर्मिला थापा ने चेतावनी दी कि यदि जल संस्थान ने समस्या का समाधान नहीं किया तो गुरुवार को फिर दिलाराम वाटर वर्क्स में बृहद प्रदर्शन होगा। जल संस्थान उत्तर डिवीजन के ईई संजय सिंह ने बताया कि शहंशाही स्रोत पर पानी कम मिल रहा है। वहीं कुछ स्थानों पर वाल्व में भी समस्या है। जिसका समाधान कर दिया जाएगा। मौके पर सरस्वती देवी, राजकुमारी, सविता, उदय सिंह रावत, सावित्री देवी, संगीता, अनुराधा तिवाड़ी, मेरुनिशा, सुमन कुमारी, पूजा पांडे, अनिता नेगी, संगीता कठैत, भारती देवी, चेतराम यादव, हरिबहादुर क्षेत्री, पल्लवी, ललिता देवी आदि मौजूद रहे।

जिला योजना के लिए एक हजार करोड़ का बजट जारी

देहरादून। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब जिला योजना के तहत विकास कार्य शुरू हो जाएंगे। सरकार ने सभी जिलों में जिला योजना के तहत होने वाले कार्यों के लिए एक हजार करोड़ का बजट जारी कर दिया है। सचिव वित्त दिलीप जावलकर की ओर से बुधवार को यह राशि जारी की गई। विदित है कि जिला स्तर पर होने वाले विकास कार्य जिला योजना के तहत मंजूर किए जाते हैं। इस मद में सरकार जिलाधिकारियों को बजट देती है और फिर जिला स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य चिह्नित कर उन्हें जिला योजना मद से तैयार किया जाता है। सरकार ने जिला योजना के लिए बजट में धनराशि मंजूर की थी। लेकिन लोकसभा चुनाव आचार संहिता की वजह से अभी तक राशि जारी नहीं हो पाई थी। अब यह राशि जारी होने के बाद जिलों में जिला योजना के तहत होने वाले कार्य किए जा सकेंगे। मानसून से पहले इस राशि के जारी होने से जिला प्रशासन को भी राहत मिलेगी।

यहां नौकरी करने वालों की मौज, जल्द घर जाने पर मिलता है Bonus

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 13 जून : ऑफिस पहुंचने का तो टाइम होता है और देरी पर सैलरी भी कटती है, लेकिन वापसी का कोई टाइम नहीं होता. दरअसल, अधिकांश बॉस चाहते हैं कि उनके कर्मचारी देर तक बैठकर काम करें. ये कल्चर केवल प्राइवेट ही नहीं, सरकारी दफ्तरों और बैंकों में भी मौजूद है. इस वजह से कर्मचारी मानसिक तौर पर परेशान रहते हैं और इस परेशानी का असर उनके कामकाज पर भी नजर आता है. इसी को ध्यान में रखते ही जापान में कुछ ऐसा हो रहा है, जिसे जानकर आप भी कहेंगे - हमारे एम्प्लॉयर इतने समझदार कब बनेंगे?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान में कर्मचारियों को जल्द घर जाने के लिए बोनस दिया जाता है. जापान में सरकारी कर्मचारियों को काम जल्द खत्म कर घर जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. ऐसा इसलिए ताकि कर्मचारी निजी जिंदगी और ऑफिस के कामकाज में संतुलन बना सकें. जापान की सरकार का मानना है कि यदि कर्मचारी परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताएंगे, तो मेंटली फिट रहेंगे. सरकार चाहती है कि कर्मचारी अपना समय और पैसा जिंदगी को बेहतर बनाने पर खर्च करें.जापान की सरकार ने पिछले साल जुलाई में युकाईसू नाम की यह योजना लागू की थी. अब इस साल के लिए फिर से इसे लागू कर दिया गया है. इस योजना के तहत 9 से शाम 5 बजे ऑफिस बंद कर दिए जाएंगे. इससे ऑफिस में बिजली की भी बचत होगी. सरकार चाहती है कि कर्मचारी ऑफिस में देर तक बैठकर काम न करें, उन्हें जल्दी घर जाने के लिए बोनस भी दिया जाता है।

इसके उलट भारत में ऑफिस टाइमिंग अघोषित तौर पर लगातार लंबा होता जा रहा है. लंबे समय से मांग उठ रही है कि दफ्तरों के कामकाज को कर्मचारियों के अनुकूल बनाया जाए. सरकारी बैंक भी 5 डेज वर्किंग कल्चर की मांग कर रहे हैं. अभी बैंक महीने के दूसरे

और आखिरी शनिवार को बंद रहते हैं. हालांकि, बैंक यूनियन की मांग है कि यह व्यवस्था हर शनिवार को लागू की जाए, भले ही इसके एवज में बैंक के खुलने का समय कुछ पहले कर लिया जाए. बता दें कि मोदी सरकार के कार्यकाल में बैंकों का कामकाज काफी ज्यादा बढ़ गया है. क्योंकि अनगिनत योजनाओं का क्रियान्वयन बैंकों के माध्यम से ही किया जा रहा है.

केंद्रीय मंत्रियों से मिले भारतीय सर्व समाज महासंघ के अध्यक्ष रामकुमार वालिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली,13,जून भारतीय सर्व समाज महासंघ एवं इंडियन किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तराखंड के पूर्व राज्य मंत्री रामकुमार वालिया ने दिल्ली में भारत सरकार के कई नवनियुक्त मंत्रियों से भेंट वार्ता करके उन्हें अपनी संस्थाओं इंडियन किसान यूनियन तथा भारतीय सर्व समाज महासंघ की ओर से मोमेंटो भेंट किया साथ ही संस्थाओं के कार्यों से अवगत कराया वालिया ने नवनियुक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले से उनके आवास पर भेंट वार्ता की तथा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनने वाली भारत सरकार में राज्य मंत्री बनाए जाने पर अपनी तथा अपनी सभी संस्थाओं की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दी साथ ही संस्थाओं के कार्यों से भी अवगत कराया इसी के साथ-साथ वालिया ने भारत के परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से उनके निवास पर भेट वार्ता करके उन्हें भी संस्थाओं की ओर से मोमेंटो भेंट किया। वालिया ने विशेष रूप से देहरादून से दिल्ली बनने वाले राजमार्ग को भी शीघ्र पूर्ण कराए जाने का आग्रह किया इसके अलावा रामकुमार ने परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा से भी भेंट वार्ता की तथा उन्हें भी उत्तराखंड में बनने वाले विभिन्न राजमार्गों को शीघ्र पूर्ण किए जाने की अपील की।

वालिया ने नव नियुक्त ऊर्जा मंत्री श्री पद नाइक से भी उनके आवास दिल्ली मे मुलाकात की। वालिया ने भारत के कृषि मंत्री तथा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज चौहान से उनके अस्थाई निवास दिल्ली में भेंट वार्ता था कि तथा अपनी संस्था इंडियन किसान यूनियन के कार्यों से उनको अवगत कराया तथा किसानों की कुछ जटिल मांगों से भी उनको अवगत कराया। वालिया ने प्रेस नोट जारी करते हुए अवगत कराया कि सभी केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में पूर्ण रूप से सहयोग का आश्वासन दिया है।

संपादकीय

नसीहत और चेताया

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जो टिप्पणियां की हैं, वे संघ-भाजपा के अलगाव या संबंध-विच्छेद तक की नौबत नहीं हैं। उन्होंने जिनके संदर्भ में 'सेवक', 'मर्यादा' और 'अहंकार' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया है, वे प्रत्यक्ष रूप से भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी से ही जुड़ते हों, सरसंघचालक की इतनी संकीर्ण सोच नहीं हो सकती। भाजपा और मोदी दोनों ही संघ के सृजन हैं। संघ-प्रमुख ने कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकीय मुद्रा में संबोधित किया, तो वह पूरी राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को आगाह कर रहे थे। अहंकार छोड़ कर काम करना चाहिए और काम के बदले अहंकार नहीं करना चाहिए, वही 'सच्चा सेवक' होता है। चुनाव में एक पक्ष होता है, तो दूसरा वैचारिक प्रतिपक्ष होता है। वह दुश्मन नहीं होता, आपका सैद्धांतिक विरोधी है। देश की सत्ता और संसद के लिए भी दोनों पक्ष अनिवार्य हैं। इस बार लोकसभा चुनाव कड़वाहट भरा था। चुनाव युद्ध की तरह लड़ा गया। मर्यादा जरूरी है। चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का स्मरण रखें। निश्चित है कि सरसंघचालक ने भाजपा को कुछ नसीहत दी है और चेताया भी है। उन्होंने मतदान के कुछ चरणों में बूथ और पन्ना-प्रमुख के चेहरों के गायब होने का मुद्दा भी उठाया। जो कार्यकर्ता घरों से भाजपा के समर्थक मतदाताओं को निकाल कर मतदान-केंद्रों तक ला सकते थे, आखिर वे कहां थे? सरसंघचालक ने प्रत्याशियों पर असहमति का सवाल भी उठाया कि ऐसे अवांछित चेहरों को चुनाव मैदान में क्यों उतारा गया? आरएसएस को लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जो बयान दिया था अथवा सार्वजनिक तौर पर जो निहितार्थ ग्रहण किया गया था, वह भी आत्मघाती साबित हुआ। उसी के बाद संघ के स्वयंसेवक और प्रचारक भाजपा के चुनाव-प्रचार से तटस्थ हुए थे। संघ-भाजपा की आपसी समन्वय बैठकें तक नहीं हो सकीं, नतीजतन दोनों में ही समन्वय और सामंजस्य के अभाव दिखे। मतदान के प्रतिशत कम होते रहे। सरसंघचालक ने पहले भी चेताया था कि अब हम सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की छवि और लोकप्रियता के सहारे ही चुनाव नहीं जीत सकते। इस बार ऐसा ही हुआ कि भाजपा 400 पार के नारे के 'बुलबुलों' में ही कैद रही। प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व पर ही अति विश्वास किया जाता रहा, नतीजा सामने है। भाजपा 240 सीट ही जीत पाई, जबकि गुजरी लोकसभा में भाजपा के 303 सांसद जीत कर आए थे। यह नतीजा भी तभी सामने आया, जब अधिकांश क्षेत्रों में संघ के कुछ कार्यकर्ता काम करते रहे। यह हमारा आकलन है कि जिस दिन संघ पूरी तरह, घोषित तौर पर, खुद को भाजपा से अलग कर लेगा, उस स्थिति में भाजपा के लिए 150 लोकसभा सीटें जीतना भी मुश्किल हो सकता है। दरअसल संघ वैचारिक और सैद्धांतिक तौर पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ नहीं है। भाजपा के 18 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो संघ के अभियानों के ही प्रतिफल हैं। भाजपा आज भी आरएसएस का राजनीतिक मंच है। संघ मोदी सरकार के पतन या 'इंडिया' जैसे विपक्षी गठबंधन की संभावित सरकार के पक्ष में कभी सोच भी नहीं सकता। सरसंघचालक भागवत ने जलते, त्राहि-त्राहि करते मणिपुर का मुद्दा प्रसंगवश ही उठाया है और केंद्र सरकार को कत्तव्य-बोध कराया है। मणिपुर हिंसा में 220 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

Uttarakhand Premier League 2024 : आप भी खेलना चाहते हो तो जल्दी करें रजिस्ट्रेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जून : Uttarakhand Premier League के लिए ट्रायल 16 जून से शुरू हो रहे हैं, जिसमें कम से कम 60 अनकैप्ड खिलाड़ियों को ट्रायल के बाद सलेक्ट किया जाएगा। साथ ही इस बार महिलाओं की भी तीन टीमें भाग लेंगी।क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) इस साल सितंबर में उत्तराखंड प्रीमियर लीग और विमेंस उत्तराखंड प्रीमियर लीग का आयोजन करेगा। उत्तराखंड प्रीमियर लीग में देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, उधमसिंह नगर, नैनीताल और पिथौरागढ़ की कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि विमेंस उत्तराखंड प्रीमियर लीग में 3 टीमें भाग लेंगी और ये टीमें टूर्नामेंट में डे-नाइट मैच खेलेंगी।

लीग के लिए आइकॉन प्लेयर्स, बोर्ड ट्रॉफी प्लेयर्स और अनकैप्ड प्लेयर्स का चयन कर टीमों का गठन किया जाएगा। अनकैप्ड प्लेयर्स की चयन प्रक्रिया के लिए 16 जून से 23 जून तक देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज और काशीपुर के हाइलैंड स्पोर्ट्स ग्राउंड में ओपन ट्रायल आयोजित

किए जाएंगे। जो भी इच्छुक खिलाड़ी हों वो इन ट्रायल में भाग ले सकते हैं।लीग के सभी मैच स्पोर्ट्स 18 और जिओ सिनेमा पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

आईपीएल की तर्ज पर उत्तराखंड के तीन जिलों में फैन पार्क भी लगाए जाएंगे। Cricket Association of Uttarakhand के सचिव महिम वर्मा ने बताया कि अनकैप्ड प्लेयर्स के चयन के लिए 15 जून तक पंजीकरण किए जाएंगे और 17 जून से ओपन ट्रायल शुरू होंगे।इन ट्रायल्स के दौरान टीम फ्रेंचाइजी भी मौजूद रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रायल के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि खिलाड़ी अंडर-19 की शर्तों को पूरा करता हो। यदि आप अपने क्रिकेट की प्रतिभा को आगे ले जाना चाहते हो तो आपके लिए यह बेहतर अवसर है।

बजरंग दल ने की तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा

देहरादून। बजरंग दल ने जम्मू कश्मीर में यात्रियों की बस पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। इस घटना को पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों की कायरना हरकत बताया। दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को डीएम कार्यालय पर पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी की और डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर कार्रवाई की मांग की है।इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि इस हमले में 10 निर्दोष तीर्थयात्री मारे गए, यह पूरे देशवासियों को स्तब्ध करने वाली घटना है। कहा कि जम्मू काश्मीर लंबे समय से पाकिस्तान पोषित आतंकवाद का दंश झेल रहा है, धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योति जगी है, लेकिन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी कम नहीं हुआ है।

देश के नई सरकार के शपथ के समय इस प्रकार का दुस्साहसिक कृत्य करके आतंकवादियों ने देश के संप्रभुता को चुनौती दी है। बजरंग दल मारे गए तीर्थयात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की जरूरत बताई। प्रदर्शन करने वालों में जिला अध्यक्ष नवीन गुप्ता, सहमंत्री विशाल चौधरी, मंत्री श्याम शर्मा, अमन, विशाल खेड़ा, सन्नी, हरीश कोहली, अमित बलूनी, सचिन गुजराती, अजय कपूर, सागर, रमन, रोहित, राहुल, आलोक सिन्हा, सौरभ गौतम, मदन पंवार, संदीप ठाकुर, सुरेश गुप्ता, संदीप ठाकुर, अमन, राजीव, कपिल, अखिल, ऋषभ उपाध्याय, दीपांकर साहनी, रंजना साहनी, हर्ष सहगल, हरीश सेठ्ठी, राजेश, अजय भारती, अजय गौड आदि मौजूद रहे।

अंतरराज्यीय तस्कर लाखों की स्मैक के साथ रुद्रपुर से गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ ने बुधवार को एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर को 111 ग्राम स्मैक के साथ रुद्रपुर से गिरफ्तार किया। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत 11 लाख रुपये बताई जा रही है। एसटीएफ के एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि उत्तराखंड में नशे की रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री के आदेश पर ड्रग्स–फ्री देवभूमि अभियान चल रहा है। इसके तहत नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में बुधवार को कुमाऊं क्षेत्र में स्मैक तस्करी का इनपुट मिला था। सीओ एसटीएफ कुमाऊं आरबी चमोला, प्रभारी निरीक्षक एसटीएफ (एंटी नारकोटिक्स) कुमाऊं पावन स्वरुप के नेतृत्व में रुद्रपुर में वन स्टॉप सेंटर ब्लॉक रोड पर दबिश दी गई। यहां से राजेश कुमार पुत्र बाबूराम निवासी प्रीत विहार रुद्रपुर को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से स्मैक बरामद हुई। एसएसपी ने बताया कि आरोपी कई सालों से उत्तराखंड में स्मैक की सप्लाई कर रहा था। वो मुरादाबाद से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में स्मैक खरीदकर गदरपुर, दिनेशपुर आदि क्षेत्रों में बेचता था। एसटीएफ ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एसएसपी पौड़ी के निर्देशन में, नशा सप्लायरों की लगातार हो रही गिरफ्तारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 13 जून : मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष-2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त ("ड्रग्स फ्री देवभूमि") बनाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में बढते नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं नशा तस्करी की रोकथाम के लिये पौड़ी पुलिस द्वारा नशा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है, नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में कोतवाली कोटद्वार पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान नशा तस्कर 1-कुलदीप ठाकुर पुत्र गणेश कुमार, 2-अजय भट्ट पुत्र स्व0 नीरज भट्ट को गूलर पुल, कोटद्वार के पास से 11.94 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया। जिस सम्बन्ध में अभियुक्तों के विरूद्ध कोतवाली कोटद्वार पर NDPS के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अभियुक्तों का नाम पता 1. कुलदीप ठाकुर पुत्र गणेश कुमार, निवासी- लकड़ी पडाव, थाना कोटद्वार जनपद पौड़ी गढ़वाल। 2. अजय भट्ट पुत्र स्व0 नीरज भट्ट, निवासी बयेला तल्ला, थाना रिखणीखाल जनपद पौड़ी गढ़वाल। 1. 11.94 ग्राम अवैध स्मैक, बरामद नशा सप्लायरों को पकड़ने वाली पुलिस टीम1. प्रभारी निरीक्षक मनीभूषण श्रीवास्तव 2. उ0नि0 किशन दत्त शर्मा3. हे0कानि0 करन कुमार 4. का0 गौरव यादव

मंत्री गणेश जोशी ने कृषि सहायक अधिकारी के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति पत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 13 जून : सुबे के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून हाथीबड़कला स्थित अपने शासकीय आवास आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लोक सेवा आयोग के माध्यम से कृषि विभाग के अंतर्गत सहायक कृषि सहायक अधिकारी वर्ग-1 के पद पर चयनित 31 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि से आप एक नया अध्याय की शुरुआत करने जा रहे है। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा जो भी कार्य करें उसे पूर्ण ईमानदारी और लगन से करें तथा पूरी कोशिश करें कि जो काम आज होना है उसे आज ही सम्पन्न करें। मंत्री गणेश जोशी ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ व नम्बर-एक राज्य बनाने में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा चुनाव से पहले 06 हजार से अधिक लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा नियुक्ति पत्र मिल चुके है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है।

इस अवसर पर विधायक महेश जीना, सचिव कृषि विनोद सुमन, कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, कृषि निदेशक केसी पाठक, उद्यान निदेशक दीप्ति सिंह सहित विभागीय अधिकारीगण एवं नव नियुक्त कार्मिक उपस्थित रहे।

सीट बेल्ट व दुपहिया में पीछे हेलमेट ना पहनने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

देहरादून। प्रदेश में सड़क हादसे रोकने को पुलिस जल्द ही कई व्यापक अभियान चलाने जा रही है। बुधवार को यातायात निदेशालय में निदेशक मुख्तार मोहसिन ने सभी जनपद प्रभारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने सीट बेल्ट और दुपहिया में पीछे हेलमेट ना पहनने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। यातायात निदेशक ने सड़क हादसे में पीड़ितों को समय पर मुआवजा दिलवाने की कार्रवाई समय पर पूरी करने को भी कहा। उन्होंने बताया कि इस साल राज्य के सभी जनपदों में ड्रोन सर्विस का प्रयोग यातायात प्रबन्धन एवं प्रवर्तन की कार्यवाही में प्रयोग किया जायेगा। इसके लिए सभी जनपदों के मुख्य-मुख्य यातायात वाले नगरों की सूची तैयार कर ली जाए। ताकि उन स्थानों पर ड्रोन की फ्लाईट से प्रवर्तन की कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही ड्रोन सर्विस के आकड़ों एवं निगरानी के लिए जनपदों में ड्यूटी भी तैनात करेंगे। कहा कि यदि कोई पिलियन राइडर बिना हेलमेट पाया जाता है तो उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम 1988 यथा संशोधित मोटरयान(संशोधित) अधिनियम 2019 की धारा 194(डी) के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी। ये भी कहा कि राज्य मे भी नाबालिग बड़ी संख्या में वाहन चला रहे हैं। जिससे हादसे की आशंका बढ़ जाती है। इनके खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

भैरव सेना ने किया धामों को पर्यटक स्थल बनाने का विरोध

देहरादून। भैरव सेना ने बुधवार को धर्मस्व एवं पर्यटन विभाग की बुद्धि-शुद्धि के लिए गांधी पार्क में हवन यज्ञ किया। उन्होंने उत्तराखंड के तीर्थधाम, शक्तिपीठ और सिद्धपीठ को तीर्थाटन के बजाय पर्यटन में परिवर्तित करने का आरोप लगाया। कहा कि अधिकारी और नेता अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हवन यज्ञ के बाद भैरव सेना के कार्यकर्ताओं ने गढ़वाल संभाग सचिव गणेश जोशी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। यहां तहसीलदार सदर के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा।

संक्षिप्त खबरें

रक्षा संस्थानों के कर्मचारियों ने किया निजीकरण और निगमीकरण का पुरजोर विरोध

देहरादून। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन नई पेंशन योजना में पुरानी पेंशन योजना की तरह लाभ देने की मांग उठाई गई। बुधवार को लाडपुर स्थित आईआरईडी के हॉल में आयोजित बैठक में कर्मचारियों ने निजीकरण और निगमीकरण का भी पुरजोर विरोध किया। संघ के महामंत्री मुकेश सिंह ने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में आयोजित हो रही है, जब देश में नई सरकार का गठन हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ पारस्परिक सहयोग से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार कर्मचारियों की अनदेखी करेगी तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। बैठक में देशभर में कार्यरत ठेका श्रमिकों का शोषण बंद करने, कर्मचारियों को मिलने वाली बीमा राशि में सुधार करने और कर्मचारियों की लंबित पदोन्नतियां को शीघ्र करने की मांग उठाई गई।

लू से बचने हेतु सावधानियां बरतें तथा अपरान्ह 12 से 03 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकारण देहरादून द्वारा जनपद देहरादून में लू से बचाव हेतु त्वरित प्रतिवादन, सूचनाओं के आदान- प्रदान एवं आम जनमानस को जागरूक किये जाने हेतु लू से बचाव सम्बन्धित प्रकाशन किया गया जिसके साथ- साथ सार्वजनिक स्थानों कचहरी परिसर देहरादून, रेलवे स्टेशन, डाकघर, बस अड्डे आदि पर स्टीकर/पोस्टर लगाये गये है। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अनुरोध किया है कि लू से बचने हेतु सावधानियां बरतें तथा विशेषरूप से अपरान्ह 12 से 03 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें। लू से प्रभावित होने की स्थिति में त्वरित जीवन रक्षक घोल का सेवन करें तथा चिकित्सक से परामर्श लें। बच्चों व पालतू जानवरों को वाहन में न छोड़े। घर से निकलते समय आपातकालीन किट पानी की बोतल, छाता, टोपी, सर ढकने का कपड़ा, छोटा तौलिया, हाथ से चलने वाला पंखा, ग्लूकोज या जीवन रक्षक घोल आवश्य साथ रखें।

मजदूर की मौत के मामले में जेई समेत पांच पर केस दर्ज

देहरादून। आईएमए में पुताई के दौरान बिजली के पोल समेत सड़क पर गिरकर मजदूर की मौत के मामले में पुलिस ने ऊर्जा निगम के जेई समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आईएमए में पासिंग आउट परेड से पहले 23 मई को हादसा हुआ था। कैंट कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गिरीश चंद्र शर्मा के अनुसार, सोनू निवासी मोहल्ला हरिजनान सरसावा सहारनपुर ने तहरीर दी कि उसका भाई योगेश देहरादून में मजदूरी करता था। कुछ समय से वो ऊर्जा निगम के एई आनंद, जेई धीरज कुमार, कमल ट्रेडर्स, ठेकेदार सरदार अमनदीप, पेटीदार ठेकेदार कुलदीप की देखरेख में था। जिनके द्वारा उसे 23 मई को आईएमए ले जाया गया था। योगेश को यहां एक बिजली के पोल पर पुताई करने के लिए कहा गया। लेकिन पोल पर चढ़ने के दौरान उसे सुरक्षा सामग्री नहीं दी गई। सोनू ने आरोप लगाया कि पोल पर नीचे से जंग लगा था। ऐसे में जैसे ही योगेश ऊपर चढ़ा पोल नीचे से टूट गया और योगेश पोल के साथ नीचे गिर गया। उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

रोडवेज ने बढ़ाया दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का वेतन

देहरादून। रोडवेज ने दैनिक वेतनभोगी और वर्कशॉप में जॉब वर्क पर कार्यरत कर्मचारियों का वेतन बढ़ा दिया है। कर्मचारियों का वेतन में दो से 2500 रुपये तक का इजाफा किया गया। बढ़े हुए वेतन का लाभ एक जून 2024 से मिलेगा। महाप्रबंधक (संचालन) दीपक जैन ने बताया कि वेतन की दरें भत्ते सहित निर्धारित की गई है। बताया कि वेतन में 20 से 25 फीसदी तक इजाफा किया गया है। पहले दैनिक वेतनभोगी कंडक्टर को 11000 रुपये प्रति महीने वेतन मिलता था, जो अब बढ़कर 13110 हो गया है। इसी तरह वेतनभोगी अंशकालिक का वेतन 12391, वर्कशॉप में जॉब वर्क पर कार्यरत कर्मचारी अर्द्धकुशल का 13110 और कुशल का 13838 रुपये प्रति महीने कर दिया है। करीब एक हजार कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। इधर, रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश महामंत्री दिनेश पंत ने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए प्रबंधन का आभार जताया। साथ ही कर्मचारियों की अन्य समस्याओं के निराकरण की भी मांग की है।